मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 251, मुंबई, शनिवार, 19 नवंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W), Tel. : 288 99 501.

राहुल को जान से मारने की धमकी

इंदौर। इंदौर में एक दुकान पर सनसनीखेज लेटर मिला है। इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी की खालसा कॉलेज में होने वाली सभा पर हमले की धमकी दी गई है। इसी के साथ पूरे इंदौर को बम विस्फोट से दहला देने की धमकी भी दी है। लिफाफे पर लेटर भेजने वाले की जगह रतलाम के भाजपा विधायक चेतन कश्यप का नाम लिखा है। इस मामले में पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच में जुटी है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

लेटर में लिखा- धमाकों से दहल जाएगा इंदौर, राहुल को राजीव के पास भिजवा देंगे

कमलनाथ ने कहा– भाजपा हर हथकंडे अपना रही है

राहुल गांधी और उनकी यात्रा को मिली धमकी पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ का कहना है कि यात्रा की सुरक्षा राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। इस मामले को लेकर मैं मुख्यमंत्री से मिल चुका हूं। ये पुलिस को देखना है पूरी सुरक्षा पुलिस प्रशासन के हाथ में है। बीजेपी बौखलाई हुई है। हर हथकंडे अपना रही है।

मुंबई हलचल
जरूरी सूचना

सभी को सुचित किया जाता है कि अगर दै. मुंबई हलचल के नाम पर कोई व्यक्ति संवाददाता बता कर आपसे कोई भी गलत व्यवहार करता है तो आप तुरंत अपने स्थनीय पुलिस स्टेशन में जाकर उस व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराये, अगर आप उस व्यक्ति से कोई लेन-देन करते हैं तो उसका जिम्मेदार आप खुद होंगे.
धन्यवाद...संपादक

आप दै. मुंबई हलचल के कार्यालय में नीचे दिये गये नंबर पर संपर्क कर सकते हैं
9820961360

अब मस्जिदों से होगा खसरे के वैक्सीनेशन का ऐलान

मौलानाओं के साथ मनपा हेल्थ डिपार्टमेंट ने की बैठक

मुंबई। मुंबई में खसरे का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा हैं। खसरे से सबसे अधिक पूर्वी उपनगर का गोवंडी इलाका प्रभावित है। यहां के अधिकांश मुसलमान परिवारों का वैक्सीनेशन के प्रति नकारात्मक रवैया है। टीके के प्रति मुसलमानों को जागरूक करने के लिए बीएमसी ने यहां के मौलाना का सहारा लिया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

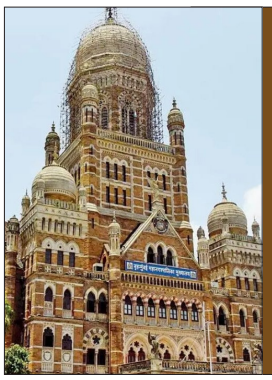

इस बीमारी से छुटकारा पाने के लिए वैक्सीन कितनी कारगर है, यह समझाया गया। मौलानाओं ने बीएमसी से हर संभव मदद करने की बात कही

900 से अधिक वैक्सीनेशन सेंटर खोले: बता दें कि कैबिनेट बैठक के बाद सीएम शिंदे ने मुंबई में खसरा प्रकोप नियंत्रण पर समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर बीएमसी कमिश्नर इकबाल सिंह चहल ने मुंबई में खसरे की रोकथाम के लिए किए जा रहे उपायों की पूरी जानकारी दी। कमिश्नर चहल ने बताया कि वैक्सीनेशन के लिए 900 से ज्यादा सेंटर खोले गए हैं और वैक्सीनेशन के समन्वय के लिए अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही बच्चों को विटामिन ए की खुराक दी जा रही है।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, 5 लोगों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र में मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और कई लोग गंभीर जख्मी हो गए। इस हादसे में एक कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

कैबिनेट की बैठक में शिंदे सरकार ने लिया बड़ा फैसला, स्वतंत्रता सेनानियों को अब 20 हजार मिलेगी पेंशन

मुंबई। शिंदे सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया हैं। महाराष्ट्र सरकार ने स्वतंत्रता सेनानियों को बड़ा तोहफा दिया है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन, मराठवाड़ा मुक्ति संग्राम और गोवा मुक्ति संग्राम में हिस्सा लेने वाले स्वतंत्रता सेनानियों की पेंशन वीरवार को 10 हजार रुपए से बढ़ाकर 20 हजार रुपए प्रति महीना कर दी गई है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

सूरजमुखी और सोयाबीन के तेल के नाम पर कंपनियां कर रही ठगी!

एफडीए की जांच में हुआ बड़ा खुलासा

मुंबई हलचल / संवाददाता

ठाणे। क्या आप भी अपने बेहतर स्वास्थ्य के लिए सूरजमुखी और सोयाबीन के तेल का इस्तेमाल खाना बनाने के लिए करते हैं। तो सावधान हो जाईये। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की जांच में चौंका देने वाला खुलासा हुआ है। जिले की चार कंपनियों से प्राप्त किए गए खाद्य तेल और अन्य खाद्य पदार्थों के 56 नमूनों में से कम से कम 27 प्रतिशत मिलावटी या झूठे दावे वाले पाए गए हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दहिसर, भिवंडी में पड़ी रेड

एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि शिकायतों के आधार पर एफडीए ने दहिसर मोरी, भिवंडी, कल्हेर और कोपरखैरने क्षेत्रों में स्थित संबंधित कंपनियों पर रेड डाली और जांच पड़ताल की। एफडीए अधिकारी ने मिलावट के काले कारोबार के प्रति लोगों को आगाह किया और कहा कि इन सामग्रियों को खरीदाते समय ध्यान देना चाहिए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

केरल का मार्क्सवादी दुराग्रह

केरल की मार्क्सवादी सरकार का दुराग्रह अपनी चरम सीमा पर पहुंचा हुआ है। सत्तारुढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने अपने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने राज्यपाल को केरल के विश्वविद्यालयों के कुलपति पद से हटाने के लिए एक अध्यादेश तैयार कर लिया है और अब विधानसभा का सत्र बुलाकार वे अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रस्ताव भी पारित करना चाहते हैं। उनसे कोई पूछे कि राज्यपाल के हस्ताक्षर के बिना कौनसा प्रस्तावित अध्यादेश लागू किया जा सकता है और उनके दस्तखत के बिना कौनसा विधेयक कानून बन सकता है याने केरल की विजयन सरकार झूठ-मूठ की नौटंकी में अपना समय बर्बाद कर रही है। जहां तक उप-कुलपतियों का सवाल है, उनकी नियुक्तियाँ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नियमों के अनुसार ही होनी चाहिए लेकिन उन नियमों का उल्लंघन करके आप अपने मनमाने उम्मीदवारों को चुन लें और फिर राज्यपाल से कहें कि वे आंख मींचकर उन पर मोहर लगा दें। राज्यपाल आरिफ खान ने इस मामले में दृढ़ता दिखाई है और ऐसे उप-कुलपतियों से इस्तीफे देने के लिए कहा है। आरिफ खान के इस दृष्टिकोण को भारत के सर्वोच्च न्यायालय और केरल के उच्च न्यायालय ने दो उप-कुलपतियों के मामलों में बिल्कुल सही ठहराया है। उन्होंने कहा है कि यदि राज्यों के विश्वविद्यालयों को वि.वि.अ. आयोग की मान्यता और वित्तीय सहायता मिल रही है तो उन्हें नियुक्तियों में उसके नियमों का पालन करना अनिवार्य है। केरल के विश्वविद्यालयों और सरकारी दफ्तरों में सारे नियमों को ताक पर रखकर मार्क्सवादी पार्टी के समर्थकों और कार्यकर्ताओं और नेताओं के रिश्तेदारों को भरा जा रहा है। अदालतों ने मार्क्सवादी नेताओं की पत्नियों को दी गई कई बड़ी नौकरियों को गैर-कानूनी घोषित कर दिया है। कई अपराधी पार्टी कार्यकर्ताओं को सरकारी नौकरियां पकड़ा दी गई हैं ताकि उनके सहारे वे कानून की वैतरणी पार कर जाएं और दो साल की नौकरी के बाद जीवनभर पेंशन के मजे लूटते रहें। केरल की मार्क्सवादी पार्टी में यह राजनीतिक भ्रष्टाचार तो उसका शिष्टाचार बन गया है, लेकिन राजनीतिक शिष्टाचार की सारी मयार्दाएं उसने भंग कर दी हैं। 2019 में कन्नूर के समारोह में राज्यपाल पर हमला करनेवाले पार्टी कार्यकर्ता को दंडित करना तो दूर रहा, मुख्यमंत्री ने उसे अपने निजी स्टाफ में नियुक्त करके उसे सुरक्षा-कवच प्रदान कर दिया है। मर्यादा-भंग का ऐसा ही काम एक मंत्री ने भी कर दिखाया है। मुख्यमंत्री विजयन को शायद अंदाज नहीं है कि यदि वे यही अतिवादी रवैया बनाए रखेंगे तो वे केरल में कहीं राष्ट्रपति शासन को आमंत्रित न कर डालें और उसके साथ-साथ मार्क्सवाद की मिट्टी भी कहीं पलीत न कर दें।

जी-20 की अध्यक्षता बड़ा मौका

भारत यह सारे काम कर सकता है बशर्ते कि वह हिचक छोड़े और अपनी ताकत को पहचान कर उसके अनुरूप आचरण करे। साथ ही यह भी जरूरी है कि भारत जी-20 की अध्यक्षता को सिर्फ तमगे की तरह सीने पर लगा कर न घूमे और अगले साल सितंबर में होने वाले सालाना सम्मेलन को 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों के लिहाज से बड़े व रंगारंग इवेंट के तौर पर इस्तेमाल न करे।

भारत के बारे में राजनयिक बिरादरी में और कूटनीतिक मामलों के जानकारों के बीच यह आम धारणा है कि भारत जितनी बड़ी ताकत है उस अनुपात में वह विश्व राजनीति में अपनी भूमिका नहीं निभाता है। यह सही है कि भारत महाशक्ति नहीं है या संयुक्त राष्ट्र संघ में उसके पास वीटो का अधिकार नहीं है। लेकिन भारत दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, दुनिया भर के उत्पादों और सेवाओं का सबसे बड़ा बाजार है और परमाणु शक्ति संपन्न है। दुनिया के कई बड़े धर्मों की उत्पत्ति वाला देश होने और अपने प्रवासियों की वजह से एक बड़ा सॉफ्ट पावर है। इसके बावजूद भारत विश्व राजनीति में बहुत सीमित भूमिका निभाता है। लेकिन जी-20 देशों की एक साल के लिए मिली अध्यक्षता भारत के लिए बड़ा मौका है। भारत इस बहाने विश्व मंच पर बड़ी भूमिका निभा सकता है। यह बड़ा मौका इसलिए भी है क्योंकि कोरोना की महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से पुरानी विश्व व्यवस्था बदल रही है और नया वर्ल्ड ऑर्डर बन रहा है, जिसमें भारत एक महत्वपूर्ण प्लेयर हो सकता है। लेकिन यह तब होगा, जब भारत इस मौके का अधिकतम इस्तेमाल करेगा।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जब जी-20 की अध्यक्षता सौंपी तब प्रधानमंत्री ने चार बातें कहीं। उन्होंने जी-20 को 'समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्योन्मुख' बनाने की बात कही। ऐसा लग रहा है कि ये चारों बातें बहुत सोच समझ कर तय की गई हैं। असल में इस समय दुनिया को एक ऐसी संस्था की जरूरत है, जो समावेशी हो और निर्णायक हो। ध्यान रहे यह भूमिका संयुक्त राष्ट्र संघ को निभानी थी लेकिन वह संस्था धीरे धीरे अपनी भूमिका खोती जा रही है। वहां कोई भी मसला फैसले तक नहीं पहुंच पाता है। दुनिया इस तरह से बंट गई है कि हर मामले में कोई न कोई महाशक्ति अपने वीटो का इस्तेमाल कर रही है। सोचें, किसी खूंखार आतंकवादी को वैश्विक आतंकवादी की सूची में शामिल कराना होता है और भारत-अमेरिका इसका प्रस्ताव लाते हैं तो चीन उसे वीटो करके रूकवा देता है। इसलिए यह उम्मीद नहीं की जा सकती है कि किसी भी मामले पर संयुक्त राष्ट्र संघ में फैसला हो पाएगा।

इस लिहाज से जी-20 वह संस्था है, जो निर्णायक भूमिका निभा सकती है। यह संस्था छोटी है और समावेशी भी है क्योंकि हर महादेश और हर तरह की संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाले देश इसमें हैं। दुनिया की 85 फीसदी जीडीपी इन 20 देशों की होती है। तभी यह अंदेशा होता है कि ये संस्था सिर्फ अमीर और विकसित देशों के बारे में विचार करेगी। लेकिन असलियत यह है कि दुनिया की जो भी बड़ी समस्या है वह इन देशों की ही समस्या है। इसलिए अगर ये देश अपनी समस्याएं ही सुलझा लें तो दुनिया की बड़ी समस्या सुलझ जाएगी। जैसे जलवायु परिवर्तन दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। वह समस्या इन देशों की वजह से है और उससे निपटने में इन्हीं देशों को बड़ी भूमिका निभानी है। इस लिहाज से भारत के लिए यह बड़ा मौका है। भारत ने जी-20 की अध्यक्षता संभालने से पहले इसकी जो थीम जारी की है वह 'वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर' का है। यानी धरती एक है, यह एक परिवार है और इसका साझा भविष्य है। अगर एक देश का भविष्य खराब है तो दूसरे का अच्छा नहीं हो सकता है।

भारत अपनी अध्यक्षता में यह सहमति बनवा सकता है कि दुनिया के अमीर देश, जो जलवायु परिवर्तन के लिए सर्वाधिक जिम्मेदार हैं वे इस समस्या से निपटने के लिए अपना खजाना खोलें। वे विकासशील और गरीब देशों को फंड दें ताकि वे जलवायु को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियां रोक सकें। अभी मिस्त्र के शर्म अल शेख में सीओपी 27 की जो बैठक हुई है उसकी थीम यही थी कि विकसित देश मदद करें। अगर भारत अध्यक्ष रहते हुए स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बढ़ने के लिए जरूरी संसाधानों का इंतजाम कराने में कामयाब रहता है तो यह बड़ी उपलब्धि होगी। इससे दुनिया में भारत की धाक जमेगी। भारत की अपनी समस्याएं भी काफी हद तक दूर होंगी। बाली में जी-20 शिखर सम्मेलन का समापन कार्बन उत्सर्जन की समस्या को कम करने में मददगार होने वाले मैंग्रोव फॉरेस्ट की यात्रा और वहां नए पेड़ लगाने के साथ हुई। वहां से भारत के बतौर अध्यक्ष इस अभियान को आगे बढ़ाना है।

अध्यक्ष के तौर पर भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती भू राजनीतिक तनावों और टकरावों की है। इसी के साये में बाली का सम्मेलन संपन्न हुआ। सम्मेलन के दौरान रूस ने यूक्रेन पर भीषण हमला बोला और इसी क्रम में यूक्रेन की मिसाइल पोलैंड में गिर गई। पहले लगा कि रूस ने पोलैंड पर हमला किया है, जिसके बाद अचानक विश्वयुद्ध की आशंका मंडराने लगी। नाटो और जी-7 देशों की आपात बैठक भी हुई। इस घटनाक्रम के बाद शिखर सम्मेलन में जो प्रस्ताव स्वीकार किया गया उसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस बात को शामिल किया गया कि यह समय युद्ध का नहीं है। प्रस्ताव में कहा गया कि 'दिस इज नॉट द एरा ऑफ वार'। भारत को इस थीम को आगे बढ़ाना है। भारत अब तक रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर बयान जारी करता रहा है। जी-20 के अध्यक्ष के नाते भारत को पहल करनी होगी कि युद्ध समाप्त हो। भू राजनीतिक तनावों को कम करने के लिहाज से भी बाली सम्मेलन से उम्मीद बंधी है। बाली में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग की अच्छी मुलाकात हुई और ढाई साल से ज्यादा समय के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शी जिनफिंग ने हाथ मिलाया। उम्मीद करनी चाहिए बात हाथ मिलाने से आगे बढ़ेगी।

जी-20 के अध्यक्ष के नाते भारत को कुछ और चुनौतियां विरासत में मिल रही हैं, जिन्हें सुलझा कर या उसकी पहल करके भारत विश्व कूटनीति में अपनी छाप छोड़ सकता है। कोरोना की महामारी के बाद से दुनिया जो समस्याएं झेल रही थीं उनमें रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से इजाफा हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने बाली में पहले सत्र के अपने भाषण में कहा कि दुनिया की आपूर्ति श्रृंखला बुरी तरह से प्रभावित हुई है। यह हकीकत है कि ईंधन और खाद्यान्न दोनों की आपूर्ति श्रृंखला कमजोर हुई है या टूट गई है। दुनिया के सामने ईंधन का संकट है तो साथ ही खाद्यान्न का संकट भी है। ऐसे समय में प्रतिबंधों की राजनीति इस संकट को और बढ़ाएगी। ध्यान रहे दुनिया आर्थिक मंदी की ओर बढ़ रही है और विकसित देशों ने इसके असर से बचने की तैयारी शुरू कर दी है। लेकिन अगर नीतियों को समावेशी नहीं बनाया गया या समग्रता से इस संकट के बारे में नहीं सोचा गया तो दुनिया के अनेक गरीब व पिछड़े देशों की दशा बिगड़ेगी। सो, जी-20 के अध्यक्ष के नाते भारत को रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने और ईंधन व खाद्यान्न की आपूर्ति श्रृंखला को पहले की तरह बहाल कराने की बड़ी जिम्मेदारी निभानी है। भारत यह सारे काम कर सकता है बशर्ते कि वह हिचक छोड़े और अपनी ताकत को पहचान कर उसके अनुरूप आचरण करे। साथ ही यह भी जरूरी है कि भारत जी-20 की अध्यक्षता को सिर्फ तमगे की तरह सीने पर लगा कर न घूमे और अगले साल सितंबर में होने वाले सालाना सम्मेलन को 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों के लिहाज से बड़े व रंगारंग इवेंट के तौर पर इस्तेमाल न करे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

एनसीपी के पूर्व नगरसेवक राजन किने ने दी खुली चुनौती

'अगर एनसीपी के गुंडे कार्यकर्ताओं में दम है तो मेरी उपस्थिति में मेरे कार्यालय में आकर बताएं'

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंब्रा। एनसीपी वर्सेस एनसीपी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है और अब तो एनसीपी के पूर्व नगरसेवक राजन किने ने खुली चुनौती दे दी है और कहा है अगर एनसीपी के गुंडे कार्यकर्ताओं में दम है तो मेरी उपस्थिति में आकर मेरे कार्यालय में बताया दरअसल यह पूरा मामला क्या है आपको बताते चलें कलवा मुंब्रा की विधायक जितेंद्र अवार्ड पर समाजसेवीका रिदा रशीद द्वारा विनयभंग का मामला दर्ज कराया गया था और यह मामला दर्ज कराने में एनसीपी के कार्यकर्ता द्वारा एनसीपी के पूर्व नगरसेवक राजन किने का षड्यंत्र बताया जा रहा था और इसी आक्रोश में एनसीपी कार्यकर्ता द्वारा राजन किने के कार्यालय के बाहर नारेबाजी की गई और गाली गलौज जैसे अपशब्द का वापर किए गए इस पूरे मामले में सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए एनसीपी के पूर्व नगरसेवक राजन किने ने बताया बीते 2 दिन पहले मेरे कार्यालय पर एनसीपी के कुछ गुंडे जोकि हिस्ट्रीशीटर है और उनके अपराधिक मामला मुंब्रा पुलिस स्टेशन में दर्ज है यह लोग मेरे कार्यालय पर तब आए जिस वक्त में कार्यालय पर उपस्थित नहीं था यह गुंडे लोग अपने साथ कुछ लोगों को

लेकर आए थे और साथ में ढोल बजाने वालों को भी साथ में लाए थे और मेरे कार्यालय के बाहर राजन गद्दार है इस तरह के नारे लगाए और मुझे गाली गलौज भी दी मैं उन लोगों से कहना चाहता हूं इस तरह की जो हरकत की गई है उससे राजन किने को कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है क्योंकि इसी तरह की हरकत मेरे घर के सामने कुछ गुंडों द्वारा वर्ष 2012 में भी की गई थी मुंब्रा शहर की जनता मुझे अच्छी तरह जानती है और जानती है कि राजन किने किस तरह का व्यक्ति है और जो लोग मुझे चाहते हैं उन्हें सब पता है उन्होंने कहा मैं एक हाथी हूं और कहावत कहीं जब हाथी चले बाजार तो कुत्ते भोके हजार इसके बाद उन्होंने अपनी बात कही कि जो लोग मेरे कार्यालय पर आए थे वह लोग गुंडे किस्म के हैं और वह लोग किसी के नहीं है लेकिन फिर भी मैं उन लोगों से कहना चाहता हूं अगर उन में दम है वह मेरी उपस्थिति में मेरे कार्यालय पर आकर नारे लगाए और मुझे गाली दे मैं उन्हें खुली चुनौती देता हूं और कहां जो लोग मेरे कार्यालय पर आए थे उनमें से एक भी व्यक्ति चर्चित व्यक्ति नहीं था सब गुंडे लोग ही थे मैंने इस मामले की शिकायत मुंब्रा पुलिस स्टेशन में की है और सख्त कार्रवाई करने की मांग की है और मुझे मुंब्रा पुलिस स्टेशन द्वारा यह आश्वासन दिया गया है की बहुत जल्द कार्रवाई करेंगे उन्होंने कहा है अगर हम मुंब्रा पुलिस की कार्यवाही से संतुष्ट नहीं होते हैं तो हम आगे अपने तौर पर क्या करना है वह करेंगें गौरतलब बात तो यह है जिस तरह से एनसीपी के पूर्व नगरसेवक राजन किने पर एनसीपी कार्यकर्ताओं द्वारा गद्दारी का आरोप लगाया जा रहा है अब देखना यह है यह आरोप-प्रत्यारोप की छिड़ी जंग एनसीपी वर्सेस एनसीपी मै कलवा मुंब्रा के विधायक जितेंद्र अवार्ड अपनी क्या प्रतिक्रिया देते हैं यह देखने वाली बात यह होगी फिलहाल अब तक उन्होंने इस मामले में किसी तरह के कोई बयान जारी नहीं किया है।

खूनी बाईपास पर ब्रेक फेल होने से ट्रेलर हुआ पलटी

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंब्रा। खुनी बाईपास पर ब्रेक फेल होने के कारण ट्रेलर पलटी होने का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में विश्वसनीय सूत्रों द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 17 नवंबर गुरुवार सवेरे 11 बजे के आसपास ट्रेलर नंबर MH46AE9890 नवा शिवा से भिवंडी जा रहा था तभी खूनी

बाईपास पर अचानक ब्रेक फेल हो जाने से यह ट्रेलर चालक का संतुलन बिगड़ गया और ट्रेलर पलट गया वह तो खुशनसीबी से इस दुर्घटना में ट्रेलर चालक के हताहत होने की कोई खबर सामने नहीं आई है और ट्रक चालक पूरी तरह से सुरक्षित बताया जा रहा है इस दुर्घटना की जानकारी ट्राफिक विभाग को दी गई घटनास्थल पर ट्रैफिक विभाग के अधिकारी द्वारा पहुंचकर क्रेन की मदद से यह ट्रेलर को उठाने की प्रतिक्रिया की जा रही है आपको बताते चलें यह खूनी बाईपास पर आए दिन कोई न कोई दुर्घटनाएं सामने आती रहती है।

महिला ने ट्रैफिक कांस्टेबल को चप्पलों से पीटा

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में एक महिला ने महिला ट्रैफिक कांस्टेबल के साथ हाथापाई की है। कानून व्यवस्था का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई भी करती रहती है, लेकिन कुछ ऐसी भी लोग होते हैं जिनसे अंदर पुलिस का जरा भी डर नहीं होता है और उल्टा वह पुलिस के साथ लड़ बैठते हैं। इसका ताजा उदाहरण पुणे में देखने को मिला है, जहां एक सनकी महिला ने महिला ट्रैफिक पुलिस के साथ जमकर मारपीट की है। बुधवार को पुणे के तिलक चौक पर ड्यूटी पर तैनात एक महिला ट्रैफिक कांस्टेबल को चप्पलों से पीटने के आरोप में पुलिस ने 35 साल एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला की पहचान ताड़ीवाला रोड के सीता रमेश पुजारी के तौर पर हुई है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

राहुल को जान से मारने की धमकी

एडिशनल डीसीपी प्रंशात चौबे का कहना है कि धमकी देने वाले अज्ञात आरोपी की तलाश की जा रही है। बता दें, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 23 नवंबर को एमपी में प्रवेश कर रही है। उनकी 28 नवंबर को इंदौर में सभा होगी। पत्र में सबसे ऊपर वाहे गुरु लिखा है। फिर नीचे लिखा है... 1984 में पूरे देश में भयंकर दंगे हुए। सिखों का कत्लेआम किया गया। किसी पार्टी ने इस जुल्म के खिलाफ आवाज नहीं उठाई। (इसके बाद यहां कांग्रेस नेता कमलनाथ के खिलाफ आपत्तिजनक शब्द लिखे हैं...) लेटर में आगे लिखा है... नवंबर के आखिरी महीने में इंदौर में जगह-जगह भयानक बम विस्फोट होंगे। बम विस्फोटों से पूरा इंदौर दहल उठेगा। बहुत जल्द ही राहुल गांधी की इंदौर यात्रा के समय कमलनाथ को भी गोली मार दी जाएगी। राहुल गांधी को भी राजीव गांधी के पास भिजवा दिया जाएगा। एक अन्य पेज में लिखा है... नवंबर 2022 के आखिरी सप्ताह में बम विस्फोटों से पूरा इंदौर दहल उठेगा। राजबाड़ा को खास निशाना बनाया जाएगा। लेटर में सबसे नीचे किसी ज्ञानसिंग का नाम लिखा है। साथ ही लेटर में कई मोबाइल नंबर भी दर्ज हैं। पत्र के साथ एक आधार कार्ड की फोटोकॉपी भी भेजी गई है।

अब मस्जिदों से होगा खसरे के वैक्सीनेशन का ऐलान

बीएमसी के अनुरोध पर अब यहां की सभी मस्जिदों से बच्चों का वैक्सीनेशन कराने का ऐलान किया जाएगा। इसकी शुरूआत 18 नवंबर को जुमे की नमाज से की गई है। मुंबई के आठ वॉर्डों में से खसरे का सबसे अधिक प्रकोप एम- ईस्ट वॉर्ड के गोवंडी के झुग्गी झोपड़पट्टी परिसर में है। मुंबई में अब तक खसरे के 8 संदिग्ध मरीजों की जान जा चुकी है। इनमें से चार गोवंडी के बच्चे थे। इसके साथ ही खसरे के कुल मरीजों में से एक तिहाई मरीज इसी गोवंडी इलाके में पाए गए हैं। फिलहाल मुंबई में 164 बच्चे खसरे से प्रभावित हैं। इनमें से कइयों ने टीके नहीं लिए थे या आंशिक रूप से वैक्सीनेशन करवाया था। बता दें कि इस बारे में बीएमसी के एक वरिष्ठ हेल्थ अधिकारी ने बताया कि मुंबई के गोवंडी में अधिकांश आबादी मुसलमानों की है और यहां के लोग बच्चों को टीका लगवाने से डरते हैं। कई लोगों में यह धारणा बनी हुई है कि वैक्सीनेशन से उनके बच्चों को कुछ हो न जाए। इन भ्रांतियों से निपटने के लिए बीएमसी अब मौलाना की मदद ले रही है। बुधवार को प्राइवेट डॉक्टरों के साथ मिलकर मदरसों में दस्तक देने के बाद गुरुवार को एम- ईस्ट वॉर्ड ऑफिस में मौलानाओं की एक बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में क्षेत्र की मस्जिदों के इमामों को बीएमसी हेल्थ डिपार्टमेंट ने आमंत्रित किया था।

सूरजमुखी और सोयाबीन के तेल के नाम पर कंपनियां कर रही ठगी!

एफडीए के संयुक्त आयुक्त एसआर केकरे ने बताया कि नमूनों की जांच से पता चला है कि सूरजमुखी और सोयाबीन के तेल के रूप में बेचे जाने वाले उत्पादों में पामोलिन तेल मिलाया गया था। जबकि चावल की भूसी का तेल सरसों के तेल के रूप में बेचे जाने वाले उत्पाद में मिलाने की भी पुष्टि हुई है। इसके अलावा, दूध की क्रीम तथा घी के दावे के साथ बेचे जा रहे उत्पादों में वनस्पति तेल मिलाने का मामला भी मिला है था। एफडीए अधिकारी इस मामले की जांच कर यह पता लगा रहे है कि थोक विक्रेताओं और विनिमार्ताओं ने इन मिलावटी उत्पादों को कहां-किसे बेचा है। आम जनता से भी अपील की गई है कि अगर बाजार में कोई भी घटिया या मिलावटी सामान मिले तो इसकी जानकारी जल्द से जल्द एफडीए को दें।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा

हादसे के बाद देवदूत, आईआरबी, बोरघाट पुलिस और अन्य एजेंसियां तुरंत मौके पर पहुंच गईं। उसके बाद घायलों को बाहर निकालकर नवी मुंबई के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, गुरुवार मध्यरात्रि में खोपोली थाना क्षेत्र के खालापूर में हुए इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सामने आई जानकारी के मुताबिक, यह भीषण हादसा तब हुआ जब एक एर्टिगा कार ने पीछे से दूसरे वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। इस कार में कुल 7 लोग सवार थे। इनमें से पांच लोगों की मौत हो गई।

कैबिनेट की बैठक में शिंदे सरकार ने लिया बड़ा फैसला

सीएम एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में यहां हुई साप्ताहिक कैबिनेट बैठक में इसका फैसला किया गया। कैबिनेट ने सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों (मराठों) को आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) की श्रेणी के तहत नौकरियों के कोटा का फायदा उठाने की इजाजत देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी, जिसकी संवैधानिक वैधता को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है।

भीलवाड़ा में बच्चो ने बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए रैली निकालकर दिया संदेश

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा में कट्स चाइल्डलाइन 1098 ने चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह एवं बाल अधिकार संरक्षण सप्ताह के अवसर पर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, कांवाखेड़ा में मंजू पोखरना, पार्षद, पूर्व सभापति, पूर्व सदस्य बाल कल्याण समिति ने बच्चो से बात करते हुए बताया कि बच्चों को हमेशा खुश रहना चाहिए, बच्चो को नियमित खेल खेलने चाहिए, साथ ही उन्होंने बताया कि बच्चो को अगर कोई भी समस्या हो तो वह चाइल्डलाइन के राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1098 पर कॉल करके मदद ले सकते हैं, चाइल्डलाइन के द्वारा नाम गोपनीय रखा जाता हैं एवं बच्चों की तुरंत सहायता की जाती हैं, साथ ही बाल कल्याण समिति

सदस्य फारुख खान पठान एवं चंद्रकला ओझा ने बच्चो से बात करते हुए बताया कि बच्चो की देखभाल एवं संरक्षण के लिए बाल कल्याण समिति कार्य करती है, समिति बच्चो के हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर है, चाइल्डलाइन 1098 के हेमंत सिंह सिसोदिया, परियोजना समन्वयक एवं राजेश कुमार खोईवाल ने बच्चो को बताया कि बच्चो को अगर शिक्षा एवं चिकित्सित संबंधित सहायता की आवश्यकता हो तो चाइल्डलाइन 1098 पर कॉल कर सकते है, बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए बच्चो से रैली निकलवाई गई, बच्चो ने उत्साह के साथ रैली में भाग लिया, इस दौरान सुषमा शर्मा, प्रिंसिपल एवं राज कुमारी अध्यापिका, एवं रोटरी इंडिया लिटरेसी मिशन द्वारा संचालित आशा किरण केंद्र, कांवाखेड़ा की अध्यापिका छाया लोहरा ने भाग लिया। उक्त जानकारी हेमंत सिंह सिसोदिया ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

कालियास में भाजपा एससी मोर्चा का बस्ती संपर्क अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया

मुंबई हलचलों / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भाजपा का जनसंपर्क अभियान के तहत एससी मोर्चा का बस्ती संपर्क अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम कालियास में रेगर बस्ती में आयोजित किया गया हैं। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भाजपा एससी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष ओमप्रकाश जैदिया थे। जैदिया ने प्रधानमंत्री मोदी की जनहित की योजनाओं के बारे में लोगों को विस्तार से बताया और कहा कि देश के प्रधानमंत्री मोदी की जनहित की योजनाएं अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिए बहुत फायदेमंद है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी एससी मोर्चा के जिला मंत्री

(रिटायर्ड अध्यापक) सुखदेव रेगर, ब्राह्मणों की सरेरी मंडल अध्यक्ष सुरेश मेघवंशी, कालियास के पुर्व सरपंच कैलाश चन्द्र खटीक, नारायण बैरवा, वरिष्ठ भाजपा नेता रामप्रसाद बावरी, नानूराम रेगर, लक्ष्मी लाल रेगर, मुकेश रेगर, नारायण बैरवा, भाजपा कार्यकर्ता कमलेश मेघवंशी, सुखदेव भील, मदन भील, सुर बैरवा, हरफूल रेगर, पुर।वो उपसरपंच छोगालाल रेगर, सीमा रेगर, नंदूदेवी रेगर, चन्दादेवी, लहरी देवी, अन्नु देवी, सुंदर देवी सहित कई महिलाएं उपस्थित थी। उक्त जानकारी भाजपा एससी मोर्चा के जिला मंत्री रिटायर्ड अध्यापक सुखदेव रेगर ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

पेयजल योजना के कार्यों में ठेकेदार की मनमानी, सड़के हुई ऊबड़-खाबड़, सड़क की धूल-मिट्टी से नागरिक परेशान

मुंबई हलचल/संवाददाता

बुलढाणा। शहर की इकबाल नगर में कछुआ गति से चल रहा पाइप बिछाने के कार्य में ठेकेदार द्वारा बरती जा रही लापरवाही है। मनमानी की वजह से सड़कों की हालत खराब हो गई है। वही सड़क से उड़ती धूल और मिट्टी उड़ने से इलाके के बच्चे बूढ़े और खास तौर सेदम्में के मरीजों को काफी तकलीफ उठानी पड़ रही है। इसके बावजूद जनप्रतिनिधियों अधिकारियों ने चुप्पी साध रखी है। बता दें कि इकबाल नगर से लेकर मिर्जा नगर तक पाइप बिछाने का कार्य अधिक समय से अधूरा पड़ा हुआ है। इस मार्ग पर आए दिन सैकड़ों बड़े छोटे वाहन गुजरते हैं। जिससे आए दिन यहां पर दुर्घटनाएं हो रही है। इलाके के नागरिकों ने बताया है कि पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी हुवी सड़क को दुरस्त नहीं किया गया। जिस से सड़क की उड़ती धूल की वजह से इलाके के छोटे बच्चे बुजुर्ग इनको सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। किंतु नागरिकों की इस परेशानी से न ठेके दार को फर्क पड़ रहा है और न ही स्थानीय जिम्मेदारों को। कोई भी इस ओर ध्यान देने को तैयार नहीं है। नगर वासियों ने बुलढाणा नगरपालिका से मांग की है खोदी हुई सड़क की मरम्मत किया जाए। संबंधित ठेकेदार का कॉन्ट्रैक्ट रद्द किया जाए है। ऐसा राखी के नागरिकों ने नगरपालिका से मांग की है।

उदयपुर में सामाजिक सेवा व मानव सेवा के लिए कृष्णा कल्याण संस्थान की संस्थापिका माया बहन सम्मानित

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। राष्ट्रीय मंसूरी समाज उदयपुर देहात जिला अध्यक्ष इमरान मंसूरी ने बार एसोसिएशन एंवम कृष्णा कल्याण संस्थान उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान मे आज दिनांक 18.11.22 शुक्रवार को बार सभागार उदयपुर में आयोजित रक्तदान शिविर मे 20 वां रक्तदान किया। इमरान मंसुरी समय -समय पर रक्तदान शिविर भी लगाते हैं ओर समाज में रक्तदान के प्रति युवाओं को जागरुक करते हैं। कृष्णा कल्याण संस्थान कि संस्थापिका माया बहन एंव अधिवक्ता निरज सालवी के द्वारा सामाजिक सेवा, मानव

सेवा का राष्ट्रीय मंसूरी समाज ने ह्रदय से सम्मान करते हुए मोमेंटो ओर उपरना ओढाकर सम्मानित किया। राष्ट्रीय मंसुरी समाज उदयपुर जिला उपाध्यक्ष रक्तदाता अकील हुसैन मंसूरी ने कहा कि कृष्णा कल्याण संस्थान कि जनमानस सेवाओं ओर जागरूकता, उजार्वान ओर समय- समय पर रक्तदान शिविर आयोजित कर समाज में महत्वपूर्ण भुमिका हैं। अनैक लोगों के लिए यह प्रेरणात्मक हैं। यह जानकारी राष्ट्रीय मंसूरी समाज प्रदेश प्रवक्ता मोहम्मद युसूफ मंसूरी ने दी। उक्त जानकारी उदयपुर के अकील मंसूरी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

राजस्थान के रक्तकोष प्रभारी नियुक्त होने पर समाज ने किया नदीम बक्ष का सम्मान

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। जोघपुर मारवाड़ शेख सैयद मुगल पठान विकास समिति के मिडिया प्रभारी माजिद खान ने बताया की समिति के सिटी कार्यालय मे एक सम्मान समारोह मेहबूब खान भूरा भाई के नेतृत्व मे आयोजित किया गया जिसमे मुख्य अतिथि के रूप मे जोघपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सलीम खान थे व बतौर अतिथि के रूप मे पार्षद असलम खान ऐडवोकेट, नदीम इकबाल, कु जाफरान,जावेद खान, पेन सा, व इकबाल बेंड बौक्स रियाज मुल्ला जी सुरेश गौड़,थे सम्मान समारोह मे सभी मेहमानो का साफा व माला पहनाकर सम्मान किया गया व साथ ही नदीम बक्ष को राजस्थान का रक्तकोष प्रभारी नियुक्त होनै पर शेख सैयद मुगल पठान समाज के प्रतिनिधि ने व समाज सेवियो ने नदीम बक्ष का साफा व माला पहनाकर सम्मान किया गया। समारोह मे यह रहे शामिल उस्ताद हाजी हमीम बक्ष, नियामत पठान, इंसाफ अली भाईजान, फिरोज खान, रमजान अली पप्पू, मेहबूब खान भूरा भाई, अजीज पठान, राजु पठान,उस्ताद शफी, मोहम्मद चांद , मोहम्मद रईस, बिलाल खान, नबी हुसैन, उस्ताद शोएब, रईस बक्ष, माजिद खान, सनी खान, हैदर, रहीम सांखला, आशिक मुन्ना भाई, साकिर पप्सा, सेवा भारती के ऐडीटर गुलाम मोहम्मद बाबर खान,अतिक सिदिकी,व कई दिग्गज लोग शामिल थे।

शाहपुरा में राज्यस्तरीय तैराकी प्रतियोगिता का रंगारंग समापन हुआ

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा कस्बे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शाहपुरा के तत्वाधान में आयोजित हो रही पांच दिवसीय 66वीं राज्य स्तरीय छात्र छात्रा 17 या 19 वर्ष तैराकी प्रतियोगिता का समापन समारोह शुक्रवार को नगर पालिका तरणताल पर आयोजित हुआ। कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं वर्तमान विधायक शाहपुरा -बनेड़ा कैलाश मेघवाल मुख्य अतिथि थे ।कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष रघुनंदन सोनी ने की। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश पारीक, वरिष्ठ भाजपा नेता राधेश्याम जीनगर, भाजपा जिला मंत्री तारा चाष्टा, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष चंचल बेली, पार्षद अशोक छीपा, स्वराज सिंह पूर्व पार्षद, आशा कोली, पार्षद भगवती प्रसाद, पार्षद राजेश सोलंकी, भाजपा नगर महामंत्री मोहन लाल रेगर, लोकेंद्र शर्मा, खुशीराम आचार्य पूरण टेपन, मोहनलाल गुर्जर, युवराज सिंह, राजू जांगिड़, गोविंद

सिंह, पार्षद देवी लाल रेगर, एसडीएमसी सदस्य मदन कंवर, रामप्रसाद पारीक प्रमीत मुकेश कुमार, सहित शाहपुरा के गणमान्य नागरिक, अभिभावक, जनप्रतिनिधि एवं टीम प्रभारी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के रूप में कैलाश मेघवाल ने स्विमिंग पूल के भौतिक विकास हेतु 10 लाख एमएलए कोटे से प्रदान करने की घोषणा की साथ ही उन्होंने खेलों को आपसी भाईचारा समरसता एवं प्रेम सौहार्द बढ़ाने वाली गतिविधि बताया, जो कि समाज एवं राष्ट्र निर्माण के लिए अपरिहार्य योगदान देती है। मेघवाल ने ग्यारह हजार रुपये आयोजक विद्यालय को सफल आयोजन पर सहयोगार्थ प्रदान किए। अध्यक्षीय उद्बोधन में रघुनंदन सोनी ने तरणताल तक पक्की सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण एवं स्विमिंग पूल के लिए दस लाख की आर्थिक सहायता नगरपालिका से प्रदान करने की घोषणा की साथ ही उन्होंने खेलों को आपसी भाईचारा समरसता एवं प्रेम सौहार्द बढ़ाने वाली गतिविधि बताया, जो कि समाज एवं राष्ट्र निर्माण के लिए अपरिहार्य योगदान देती है ए सी बी ई ओ द्वारका प्रसाद जोशी ने सभी अतिथियों, टीम प्रभारियों एवं प्रतियोगियों का स्वागत किया। प्राचार्य कमलेश कुमार मीणा ने प्रतियोगिता का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उप प्राचार्य शूरवीर सिंह चौहान ने बताया कि 17 वर्ष छात्रा में उदयपुर, छात्र में सीकर एवं 19 वर्ष छात्रा एवं छात्र वर्ग में जयपुर प्रथम को टीम चैंपियनशिप मुख्य अतिथि द्वारा प्रदान की गई। वरिष्ठ प्राध्यापक अनिल बघेरवाल ने बताया इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 19 जिलों की कुल 269 प्रतियोगियों ने भाग लिया है। व्यक्तिगत चैंपियनशिप में जयपुर के आर्यन, सीकर के कुसुम कुमावत, सीकर के लकी अली खान व उदयपुर के चारवी शर्मा को प्रदान की गई ।

वीकेंड पर मुंबई लोकल का 'लॉकडाउन'

मुंबई। मुंबई के हजारों लोकल ट्रेन यात्रियों के लिए जरूरी खबर है। सेंट्रल रेलवे पर बने 154 साल पुराने ब्रिटिश काल के कर्नाक ब्रिज को तोड़ा जाएगा। नतीजतन, मध्य रेलवे पर 19 नवंबर (शनिवार) से 20 नवंबर (रविवार) तक 27 घंटे का जंबो ब्लॉक होगा। इस मेगाब्लॉक के कारण रेल यातायात पर बड़ा असर पड़ेगा और यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। मध्य रेलवे की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक यह ब्लॉक शनिवार रात 11 बजे से शुरू होगा। इस बीच, भायखला स्टेशन से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के बीच सभी लोकल ट्रेन सेवाएं बंद रहेंगी। इस दौरान यात्रियों की सहूलियत के लिए मध्य रेलवे के भायखला, दादर और हार्बर रूट पर वडाला से विशेष बसें चलाई जाएंगी। साथ ही यात्रियों की सुविधा के लिए भायखला से ठाणे के बीच कुछ उपनगरीय ट्रेनें चलेंगी।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

लाला लाजपतराय के बलिदान ने देश में युवा क्रांति को जन्म दिया हैं : राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'गीता में स्थित प्रज्ञ की महाप्रज्ञता' विषय व साथ ही 94 वीं पंजाब केसरी लाला लाजपत राय की पुण्यतिथि पर ऑनलाइन श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह परिषद का कोरोना काल में 468 वां वेबिनार था।जीवन जीने का उच्चतम आदर्श, जीवन जीने की उच्चतम कला, जीवन जीने की उच्चतम विधि और जीवन जीने का उच्चतम विधान है- श्रीमद् भगवद् गीता।ये ओजस्वी एवं प्रभावशाली उद्गार,चिंतन तथा विचार आचार्य चन्द्रशेखर शर्मा (ग्वालियर) ने प्रकट किए।

'1- स्थिरप्रज्ञ का महाप्रज्ञापूर्ण जीवन'

आचार्य श्री ने गीता के द्वितीय अध्याय में वर्णित स्थिर प्रज्ञ के महाजीवन एवं प्रज्ञा पूर्णजीवन का विस्तृत विवेचन करते हुए कहा कि अर्जुन के चार प्रश्नों की जिज्ञासा के साथ इस विषय का शुभारंभ होता है। 1- हे योगेश्वर कृष्ण! स्थित प्रज्ञ महामानव के लक्षण क्या है? 2- स्थिर प्रज्ञ साधक कैसे बोलता है?03- स्थिर मति महामानव कैसे बैठता है? ४- स्थिर बुद्धिवाला कैसे विचरण करता है? इन चारों प्रश्नों का समाधान करते हुए योगेश्वर श्रीकृष्ण ने कहा कि - 2 - मनोगत संपूर्ण कामनाओं का परित्याग स्थिर मति महामानव अपने जीवन में मनोगत संपूर्ण कामनाओं का पूर्णतः परित्याग कर देता है। काम के दो रुप हैं- सकाम भाव और निष्काम भाव। सकाम कामनायें मानव को बंधन में बांधती है और निष्काम कामनायें बंधनों से सदा मुक्त करती हैं। 3- अपनी आत्मा में पूर्ण परितुष्ट होना स्थितप्रज्ञ महामानव अपनी आत्मा में सदा पूर्णरुप से परितुष्ट, प्रसन्न और परितोष भाव से रहता है। 4- दुःखों में अनुद्विघ्न मन वाला होना स्थिरमुनि जीवन में अनेक कष्टों, दुःखों, विपदाओं और आपदाओं के आ जाने

पर, उस साधक का मन उद्विघ्न,संतापित और विचलित नहीं होता है। 5- सुखों में स्पृहा रहित जो साधक स्थिरमति है, वह अनेक सुखों की प्राप्ति होने पर,अनेक सम्मान होने पर,अनेक प्रशंसा के अवसर आने पर भी लेशमात्र भी सुख-स्पृहा के बंधन में नहीं बंधता है। 6- राग, भय और क्रोध से निर्मुक्त जीवन स्थिर प्रज्ञ सदा विषयों की आसक्ति, विषयों की लालसा, विषयों की तृष्णा और विषयों की आसक्ति से निरासक्त रहता है।किसी भी स्थिति में भय और क्रोध के आवेश में नहीं आता है। 7- शुभ में अतिहर्ष और अशुभ में अतिद्वेष रहित जीवन' स्थिरमति साधक जीवन में शुभकर्मों के समागम पर अति हर्ष से हर्षित नहीं होता है और अशुभ अवस्था में अतिद्वेष से विमुक्त रहता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि लाला लाजपत राय का जन्म पंजाब के मोगा जिले में हुआ था।इन्होंने सबसे पहले भारत में पूर्ण स्वतन्त्रता की माँग की थी बाद में समूचा देश इनके साथ हो गया।इन्होंने स्वामी दयानन्द सरस्वती जी से प्रेरणा लेकर आर्य समाज को पंजाब में लोकप्रिय बनाया।लाला जी कहते थे कि आर्य समाज मेरी माता और वैदिक धर्म मेरे पिता है। लाला जी ने महात्मा हंसराज जी के साथ दयानन्द एंग्लो वैदिक विद्यालयों का प्रचार प्रसार किया, लोग जिन्हें आजकल डीएवी स्कूल्स व कालेज के नाम से जानते है। लाला जी ने अनेक स्थानों पर अकाल में शिविर लगाकर लोगों की सेवा भी की थी। 30 अक्टूबर 1928 को इन्होंने लाहौर में साइमन कमीशन के विरुद्ध आयोजित एक विशाल प्रदर्शन में हिस्सा लिया, जिसके दौरान हुए लाठी-चार्ज में ये बुरी तरह से घायल हो गये। उस समय इन्होंने कहा था मेरे शरीर पर पड़ी एक-एक लाठी ब्रिटिश सरकार के ताबूत में एक-एक कील का काम करेगी। और यही सिद्ध भी हुआ। वे कुशल नेता, लेखक, वक्ता व जननायक थे।युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। लाला लाजपतराय जी के बलिदान से युवाओं में एक नया जोश आ गया और स्वतंत्रता आंदोलन

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अवैध निर्माणकर्ता मो. रजा बुशरी के संरक्षण में हुए

अनधिकृत नवनिर्माण पर कब चलेगा मनपा का जेसीबी?

मुंबई हलचल/अजय उपाध्याय

मुंबई। कुर्ला एल/विभाग मनपा प्रभाग 168 अधीनस्थ सीटीएस क्र. 311 महाराष्ट्र गैरेज समीप जूना पोस्ट आफिस एलबीएस मार्ग कुर्ला (प.) 400070 में कानून कायदों की धज्जियां उड़ाते हुए अवैध निर्माणकर्ता मो. रजा बुशरी के संरक्षण में किये गए अवैध नव निर्माण पर कार्रवाई करने से क्यों कतरा रहे है सहायक आयुक्त महादेव शिंदे? क्यों अनधिकृत नवनिर्माण को नही कर रहे है धाराशायी? सूत्रों की माने तो उक्त अनधिकृत नवनिर्माण लाखो रुपयो की भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है। कुर्ला के स्थानिक सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल गफ्फार सूबेदार का कहना है कि यदि इस अवैध निर्माण की निष्पक्ष जांच की जाए तो पूरा मामला सामने आ सकता है क्योंकि

सहायक आयुक्त महादेव शिंदे एल/विभाग मनपा कार्यालय

सहायक अभियंता किरण कुमार अन्नमवार एल/विभाग मनपा

कनिष्ठ अभियंता विशाल चौधरी एल विभाग मनपा कुर्ला

इस अवैध निर्माण की शिकायत बहुतेक लोगो ने किया है मगर कार्रवाई के लिए टाल मटोल किया जा रहा है। क्या मनपा एल विभाग में आसीन सहायक आयुक्त महादेव शिंदे सहायक अभियंता किरन कुमार अन्नमवार व कनिष्ठ अभियंता विशाल चौधरी को उक्त अवैध निर्माण को धाराशायी करने का आदेश देकर मनपा की नाक बचा पाएंगे या फिर इससे पूर्व जैसे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता रहा है वैसे ही एल विभाग मनपा कार्यक्षेत्र अंतर्गत क्षेत्रों में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जाता रहेगा।

प्राकृतिक चिकित्सा में है सभी रोगो का सफल इलाज 'सूफी'

मुंबई हलचल/फहीम अहमद राज

सहारनपुर नागल। प्राकृतिक चिकित्सा दिवस के मौके पर देशवासियों से रोगों का इलाज प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से कराए जाने हेतु जागरूक किया गया। प्राकृतिक चिकित्सक एवं योग गुरु सूफी रियाज अहमद ने ग्रामीणों को योग कराते हुए प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में बताते हुए कहा कि भारत में प्रतिवर्ष 18 नवंबर को राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य दवा रहित प्रणाली के माध्यम से सकारात्मक मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है। जिसे प्राकृतिक चिकित्सा के रूप में जाना जाता है। राष्ट्रपति महात्मा गांधी का प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से उपचार में बहुत विश्वास था। 18 नवंबर 1945 को उन्होंने ऑल इंडिया नेचर क्योर फाउंडेशन ट्रस्ट की स्थापना की थी। इसलिए देश में प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार ने 18 नवंबर

को प्राकृतिक चिकित्सा दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की है। प्राकृतिक चिकित्सक एवं योग गुरु ने बताया कि प्राकृतिक चिकित्सा के अनुसार शरीर में संचित मल ही सभी रोगों का कारण है। अतः इस कारण अर्थात विजातीय द्रव्य को शरीर से बाहर निकालना ही रोग का निवारण है। प्राकृतिक चिकित्सा उपचार के लिए पंचतत्वों आकाश, जल, अग्नि, वायु और पृथ्वी को आधार मानकर चिकित्सा संपन्न की जाती है। प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति पंचमहाभूत मिट्टी, पानी, हवा, आकाश पर आधारित है। प्राकृतिक चिकित्सा के नियम धूप, मीठे पानी, तनाव प्रबंधन, स्वस्थ आहार की महानता पर आधारित है। प्राकृतिक भोजन विशेषकर ताजे फल कच्ची सब्जियों के जरिए विभिन्न बीमारियों का इलाज किया जाता है। पेट की बीमारियों में मिट्टी की पट्टी का प्रयोग होता है। इस पद्धति में जल चिकित्सा। सूर्य चिकित्सा, उपवास कराकर रोगों का इलाज किया जाता है। उन्होंने देशवासियों से अपनी दैनिक जीवनचर्या में प्राकृतिक चिकित्सा का उपयोग कर जीवन को सुखमयी बनाने का आह्वान किया है। इस अवसर पर प्राकृतिक चिकित्सक एवं योग गुरु ने अनेकों प्राकृतिक चिकित्सा तकनीकों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए निशुल्क औषधि वितरण की। इस मौके पर सोनू, राहुल कुमार, अजीम, एजाज, रिहाना, सोनिया, मेहरबान, अफजाल, काजल आदि उपस्थित रहे।

श्रद्धा हत्याकांड जैसा हत्याकांड जब पति ने पत्नी के किए थे 72 टुकड़े

दिल्ली के श्रद्धा हत्याकांड ने पूरे देश को हैरान कर दिया है दिन पे दिन इस केस को लेकर नए खुलासे हो रहे है पुलिस अबतक इस केस को सुलझा नहीं पाई है। दरिंदगी की सारी हदे पार करने वाला आफताब पुलिस को गुमराह कर कहा है इसलिए केस सुलझने का नाम नहीं ले रही है। बता दें श्रद्धा हत्याकांड की तरह ही पहले भी इस तरह का घिनौना हत्याकांड हो चुका है।12 साल पहले देहरादून के अनुपमा गुलाटी हत्याकांड में भी एसा ही कुछ हुआ था दरअसल 2010 में देहरादून की शांत वादियों में प्रेम विवाह का ऐसा अंजाम हुआ कि हर सुनने और देखने वाले की रूह कांप जाए। पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर राजेश गुलाटी ने झगड़ा होने के बाद अपनी पत्नी अनुपमा गुलाटी को मौत के घाट उतार दिया था। इसके बाद

शव के 72 टुकड़े कर दिए थे। अनुपमा अपने पति राजेश गुलाटी के साथ देहरादून के प्रकाश नगर में रहती थीं। बता दें 17 अक्तूबर 2010 को घर में ही राजेश गुलाटी ने पत्नी की हत्या करने के बाद स्टोन कटर और आरी से शव के 72 टुकड़े किए थे। इसके बाद उन्हें डीप फ्रीजर में छिपा दिया था। शव को ठिकाने लगाने के लिए वह रोजाना एक टुकड़ा काली थैली में डालकर ले जाता था। इसके बाद वह मसूरी रोड पर जंगल में उन टुकड़ों को फेंकता था। वह अपने दोनों बच्चों को बताता था कि मां दिल्ली गई हैं और कुछ दिन में आ जाएगी। अनुपमा के भाई सिद्धांत प्रधान के देहरा दून आने पर इसका खुलासा हुआ था। जिसके बाद एक सितंबर 2017 को इस मामले में कोर्ट का फैसला आया था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उड़े हुए बाल फिर से उगाने में बेहद लाभदायक है ये फल

काले घने बाल हर किसी को पसंद होते हैं, लेकिन आजकल की दौड़ती-भागती लाइफ में अकसर लोग अपने बालों पर उतना ध्यान नहीं दे पाते जितना अपने ड्रेसिंग स्टाइल पर देते हैं, ऐसे में उन्हें बाल झड़ने और बालों के टूटने की समस्या का सामना करना पड़ता है। आज के समय में बाल सफेद होना, झडना या गंजापन आम बीमारी बन चुका है। इस समस्या से दुनिया में ज्यादातर लोग जूझ रहे हैं। लेकिन इसका भी एक उपाय है और वो है सीताफल। जी हां, इस फल के सेवन से बॉडी में कई फायदे होते हैं। साथ ही ये फल बालों के लिए भी काफी लाभदायक साबित होता है ।

सीताफल की खूबियां

सीताफल की खूबियों के बारे में आयुर्वेद में भी वर्णन है। ऐसी मान्यता है कि सीता ने वनवास के समय श्रीराम को यह भेंट किया था। तभी से इसका नाम सीताफल पड़ा। आयुर्वेद के अनुसार शीताफल शरीर को शीतलता पहुंचाता है। यह फल पित्तशामक, तृषाशामक, उल्टी रोकने वाला, पौष्टिक, तृप्तिकर्ता, कफ एवं वीर्यवर्धक, मांस एवं रक्त वर्धक, बलवर्धक, वात दोष शामक और हृदय

के लिए लाभदायी है।

1 सीताफल के पत्तों को पीस कर फोड़ों पर लगाने से वो ठीक हो जाते हैं।

2 सीताफल के बीजों को बकरी के दूध के साथ पीसकर लगाने से सिर के उड़े हुए बाल भी फिर से उग आते हैं।

3 सीताफल घबराहट दूर कर हार्टबीट को सही करता है। कमजोर हृदय या उच्च रक्तचाप के रोगियों के लिए इसका सेवन बहुत ही लाभदायक है।

तकिया लगाने से भी हो सकती हैं ये बीमारियां

क्या आप जानते हैं कि हमारे स्वास्थ्य के लिये तकिया लगाना फायदेमंद हैं या नुकसानदेह। आइये आपको बताते हैं कि क्या है इसकी सच्चाई। सोते समय तकिया तो अधिकतर लोग लगाते हैं तो कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो तकिया लगाना पसंद नही करते। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हमारे स्वास्थ्य के लिये तकिया लगाना फायदेमंद हैं या नुकसानदेह। आइये आपको बताते हैं कि क्या है इसकी सच्चाई। विशेषज्ञों के अनुसार मोटा या पतला तकिया आपको कई सीरियस हेल्थ प्रॉब्लम्स दे सकता है। आइये बताते हैं कि तकिया लगाते समय आपको किन बातों का ख्याल रखना होगा।

- बहुत हार्ड तकिया लगाकर सोने पर बॉडी को पूरी तरह से आराम नहीं मिल पाता। सिर पर दबाव भी पड़ता है। इससे सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस की समस्या हो सकती है।
- ज्यादा सॉफ्ट तकिए का यूज करने पर बॉडी पॉश्चर बिगड़ता है। ऐसे में गर्दन और रीढ़ की हड्डी एक लाइन में नहीं रहते, जिसके कारण गर्दन में दर्द की प्रॉब्लम हो सकती है।
- अगर तकिया बहुत मोटा हो तो गर्दन चिन की तरफ झुक जाती है। इससे खरार्टे आने की प्रॉब्लम हो सकती है।

लड़कियों के राज खोल देती है उनकी सैंडिल

अगर आप जानना चाहते हैं कि वह कितनी महत्वाकांक्षी है ते आप उसकी सैंडल की तरफ देखें। अगर आप भी किसी फीमेल फ्रैंड से दोस्ती करना चाहते हैं लेकिन दोस्ती से पहले आप उसके बारे में जानना चाहते हैं तो हम आपको एक आसान तरीका बताते हैं। अगर आप जानना चाहते हैं कि वह कितनी महत्वाकांक्षी है ते आप उसकी सैंडल की तरफ देखें। गजबदुनिया के अनुसार एक महिला अगर ऊंची हील के जूते-सैंडल पहनती है तो यह समाज में रुतबा हासिल करने की गहरी मानवीय तीव्र इच्छा का ही प्रतीक है। इस रिसर्च के अनुसार फीमेल स्थानीय प्रवृत्ति को अपनाती है यानी जब वो शहर केअमीर हिस्से में जाती हैं तो ऊंची हील पहनती हैं, लेकिन वो सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े इलाकों में जाती है तो इसे नजरअंदाज कर देती है।

अमेरिका के नार्थ केरोलीना विश्वविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर कुर्ट ग्रे का कहना है, दूसरे शब्दों में कहें तो ज्यादातर फीमेल अमीर दिखना चाहती हैं और वे गरीब लड़कियों से अलग दिखना चाहती हैं। जब फीमेल समृद्ध इलाकों में जाती है तो वह उन इलाकों की महिलाओं के हील के साइज से अपने हील के साइज का मेल करना चाहती हैं, जो उनकी समरूपता की तीव्र इच्छा को जाहिर करता है।

हालांकि इसके विपरीत जब वे गरीब और पिछड़ों इलाकों की तरफ जाती हैं तो वे केवल अपने पिछली बार खरीदी गई सैंडल या जूते के साइज के साथ ही मेल करती है। रिसर्च ने इस असर को 'नीचे की तरफ जाती समरूपता' का नाम दिया है, क्योंकि फैशन की वरीयता ऊपर से नीचे जाती है और शायद ही कभी नीचे से ऊपर जाती दिखती हो।

यह रिसर्च प्लोस वन नाम के जर्नल में प्रकाशित हुआ है। ग्रे इस बारे में आगे बताते हैं, मानव सभ्यता की शुरूआत से ही लोगों में इज्जत और रुतबे की प्यास रही है। इसलिए वे शक्तिशाली के साथ खड़े होते हैं और शक्तिहीन से अपने को अलग करते हैं। तो हील के साइज के साथ भी ऐसा करना समझ में आता है। लोगों की फैशन की यह आकांक्षा उन्हें अमीर और अधिक प्रभुत्व संपन्न दिखने के लिए प्रेरित करती है, और यह समाज में अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई के साथ ही और बढ़ रही है। ग्रे कहते हैं, पुरुषों में भी यही चलन है, खासतौर से जब वे कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स या कारें खरीदते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुरी ट्रोल हुईं दीपिका

ग्लोबल इंडियन आइकन दीपिका पादुकोण ने 'अश्वगंधा बाउंस' मॉइस्चराइजर और 'पचौली ग्लो' सनस्क्रीन ड्रॉप्स पेश किया, जो उनके हाल ही में लॉन्च किए गए सेल्फ-केयर ब्रांड, 82°E के लॉन्च प्रोडक्ट्स हैं। ब्रांड की फिलोसॉफी के तहत इन प्रोडक्ट्स को स्किन की देखभाल को एक सरल, प्रभावी और सेल्फ केयर रिचुअल बनाने के लिए बनाया गया है। 82°E एक मॉडर्न महिला के रूप में दीपिका पादुकोण के सफर और एक्सपीरिएंस का विस्तार है, जो पूरी तरह से भारतीय हैं लेकिन एक ग्लोबल अपरोच रखती हैं। दीपिका ने ये प्रोडक्ट तो लॉन्च कर दिया है लेकिन इसके बाद वो बहुत बड़े पचड़े में फंस गई हैं। सोशल मीडिया पर फैंस और नेटिजन्स उन्हें इतने महंगे प्रोडक्ट रखने के लिए बुरी तरह से ट्रोल कर रहे हैं। वो यही कह रहे हैं कि इतना महंगा कोई नहीं खरीद सकता। अपने प्रोडक्ट्स की लॉन्च पर दीपिका पादुकोण कहती हैं, मेरी स्किनकेयर रूटीन मेरी सेल्फ-केयर रिचुअल्स का एक हिस्सा रहा है। मैंने हमेशा ऐसे प्रोडक्ट्स से अपनी पहचान बनाई है जो मुझे अपने इन नियमों को फॉलो करने में सरल और प्रभावी रखने में सक्षम बनाते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने अपने ब्रांड के पहले दो प्रोडक्ट्स लॉन्च किए है। अश्वगंधा बाउंस के साथ एक रिच लेकिन लाइट वेट मॉइस्चराइजर और एसपीएफ 40 के साथ पैचौली ग्लो सनस्क्रीन के साथ मैं स्किन केयर को सरल बनाने के अपने व्यू को जीवन में लाने में सक्षम हूं और स्वस्थ, चमकती स्किन हासिल करने के लिए अपने खुद के रूटीन का एक हिस्सा शेयर करती हूं।

अगली फिल्म के लिए ट्रांसफॉर्मेशन करेंगे कार्तिक

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन अपने लवर बॉय और रोमांटिक रोल्स के लिए जाने जाते हैं। लेकिन हाल ही में खबरें आ रही हैं कि जल्द ही एक्टर अपने जॉनर से हटकर कुछ अलग लेकर आने वाले हैं। कार्तिक अपनी अपकमिंग फिल्म में बॉक्सर के रोल में नजर आएंगे हैं, जिसके लिए उन्हें हैवी ट्रांसफॉर्मेशन से गुजरना पड़ रहा है। खबरों की मानें तो कार्तिक की अगली फिल्म का डायरेक्शन कबीर खान करने वाले हैं, जिसे साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है। इस रोल के लिए कार्तिक अपनी बॉडी को पूरी तरह से ट्रांसफॉर्म करने जा रहे हैं। रोल में ढलने के लिए कार्तिक जिम में घंटो मेहनत कर रहे हैं। साथ रोल की जरूरत के हिसाब से डाइट भी ले रहे हैं। ट्रांसफॉर्मेशन का यह प्रोसेस काफी चैलेंजिंग है, जिसके लिए उन्हें जमकर एक्सरसाइज करनी पड़ रही है। मीडिया सोर्सेस की मानें तो ट्रांसफॉर्मेशन के लिए कार्तिक फेमस जिम ट्रेनर राहुल भट्ट से ट्रेनिंग ले रहे हैं। राहुल इससे पहले आमिर खान को दंगल के लिए ट्रेन कर चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कार्तिक की फिजिकल ट्रेनिंग राजकोट में शुरू हो चुकी है।

प्रियंका ने एक्टर्स को लेकर दिया बयान

प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड की सबसे दमदार एक्ट्रेस में से एक है। केवल इंडियन ही नहीं बल्कि इंटरनेशनल फिल्म इंडस्ट्री में भी प्रियंका की एक्टिंग को बेहद पसंद किया जाता है। हाल ही में देसी गर्ल प्रियंका ने एक्टर्स की मेहनत और काम को लेकर बेहद शॉकिंग बयान दिया है, जो खूब चर्चा में है। दरअसल, प्रियंका ने कहा कि उनका मानना है कि एक्टर्स को उनके काम से ज्यादा क्रेडिट दिया जाता है। वो किसी दूसरे की स्क्रिप्ट पर काम करते हैं, दूसरे लोग उन्हें तैयार करते हैं। उनका काम सिर्फ किसी भी रोल को निभाना होता है। बता दें कि कि कुछ दिनों पहले प्रियंका वेकेशन मनाने के लिए इंडिया आईं थी। तब उन्होंने अपने हेयर केयर ब्रांड को लॉन्च किया था। लॉन्च के दौरान एक्ट्रेस से पूछा गया कि उन्हें देश-विदेश के बड़े डायरेक्टर के साथ काम करके कैसा लगा? इस पर प्रियंका ने कहा- मैंने बड़े-बड़े डायरेक्टर के साथ काम जरूर किया है, लेकिन सभी ने मुझे बस यही सिखाया है कि बेस्ट एक्टर कैसे बनना चाहिए? जब भी कोई फिल्म या वेब सीरीज रिलीज होती है और परफॉर्म करती है, तो इसका सारा क्रेडिट एक्टर्स को ही मिलता है। लेकिन एक्टर का काम सिर्फ स्क्रिप्ट पढ़कर किरदार में जान डालना होता है। अपने रोल को पर्दे पर अच्छी तरह से निभा सके। इसके अलावा एक्टर कुछ भी नहीं करता है। सारा काम राइटर्स, डायरेक्टर, कोरियोग्राफर, मेकअप आर्टिस्ट और हेयर स्टाइलिस्ट का होता है। प्रियंका आगे कहती हैं कि मैंने बड़े-बड़े डायरेक्टर्स के साथ काम किया है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। जब मैं बॉलीवुड का हिस्सा थी, तब भी डायरेक्टर्स मुझे हमेशा एक अच्छा एक्टर बनाना चाहा। हम एक्टर्स को बहुत क्रेडिट देते हैं, जो कि नहीं देना चाहिए। एक्टर्स कुछ भी नहीं करते हैं, वो सिर्फ दिया हुआ रोल निभाते हैं। एक्टर्स जो स्क्रिप्ट पढ़ते हैं, उसे कोई राइटर लिखता है।